

2543
ASMA ARCHIVES



२६ नमो नमो नमो नमो ॥ अथ व्याख्यान ॥ यथमसं स्यात् विद्यया विदुः ज्ञानाय
न गुरुयुक्तिरित्याख्यानसंगलङ्कास्यव ॥ केहाले ॥ स्वानधनदयकं के
वायाग ॥ आवाउसहालयागं याग ॥ सकलसन, कायाडा, चयाग, कशीनाट
धनस्क, हासकलकाय, आशुति, जयमु गियाकाव, चयाग व्याख्यानसंनिधा
स, आवाउगमयथायस, कयचलथाय, न्यासादियअलि, वयमु गियाय ॥ स
कलसन, आययक, थकडुनिस्य व्याख्यानभायनि, गुरुस्य, रवाचमालकस
ननि, आनरुयायइना ०० गिकहालविधि ॥ आवाउगमयवि ॥ नकसं नाट
धनस्क, विधि ॥ थं यजावकाव, समयययनमथिसं लिहावयाव ॥ आवा

गमथास, चउनमुगुडा २ म १० क ७ थ ० न याचगाय, चकसिथ थ आवाउग
थास, दधलाक, यका, थकायकचाक ७ यगासवी, ० थग ५ खालग, या ॥ था
य, थका, स्वा, याचागा ७ जान थका म्या, मा, थ, सी, ज, स्वा, यजाआ, अद्या ॥ ज
जमानस्य, अमकमामन्, यनंगरुमिसा यन, निमिस्यर्थ, रुगवत्याचन,
कडुवाय ॥ गुनन, न्यास ॥ यथागम्यात्म, गरुनवलि ॥ जाडी ॥ वाव, याग
॥ सर्वसर्वविधि कृतायावलिं गट्ट २ ॥ स्वाहा ॥ थमध्व ॥ स्वाचागा, अ
भिगागम ७ ॥ वक्रान्ता ७ ॥ आया, कथन, ध्यदीजा निर्वाण निर्वि ॥ य
वदकि ॥ आनन्द ७ ॥ कि ॥ अग्र ७ ॥ थनरुमि ७ ॥ अस्ता ॥ अर्चया

गथालिख, थाऊन ॥ मल, निनीड ॥ कवच अवन्त ॥ (धनु मूडा ॥ मल, ग
उगा ॥ चर्सी, यर्स यय ॥ धनवलियुजा ॥ रुक्, वा लायुजा, कङ्गाय, द्या लकचा
ह्या ॥ कजने, चावलिकाय, काया क्यय, चक, भासियुचा, आ, ग, मा, सम
य, विसर्ज, धनस, धम लु (गम आखा, दध, यगा थाय, पका अषुय, षट्का
वलि, अष्टय अउ, नडाद, दूवन, अजा, चसीय, अद्या, यजमानस्य अक
नृसकन नार्थ, नृसम लुन यस्का यन निमीत्यर्थ रुगवत्या र्चन कर्तुं श्री
स, गुन ॥ रुगवलि ॥ जय सर्वथा गा ॥ कुं दूं मला नृसम अजाय वलि गृह २ स्वा

हा ॥ भवद्व, रुकुकादि ॥ मध्वम् ॥ अगिता, अजना, बुझान्या, वगीसि, च
उस ॥ समयव, धयदीय जयस्का, नित्यान, थकाव कास्याय, दक्षा, वरु
॥ थगि धकाव, थसि, कुं नडा यन म ॥ चले, कुं विष्णुवन मयगास ॥ कुं वक्र
नानमद क्रियन् ॥ कुं ॐ न्ना दि विद्या धन, गन्धर्व नान दादि स्थान म ४ म
सि ॥ कुं अष्टा विंश गितन कुं स्थान म ४ गिंस ॥ कुं नाग प्रा का यरुदि ॥ कुं
अनक कागि दव ग लाय २ ॥ यनिवथ ॥ पुन का यय गि, च, सि, ज, स्वा, अ
द्वच लथा या, नकी य ३ गा य, अद्या, दृष्टि, ज, स्वा, कायक, गयाव, मृ

मनु १० जयथ ॥ पूर्विक विधान, वध निश्चय, अह, अह्नादिकथन ॥ ब्रू
वक्रान्यादि ॥ कुं दमहाटक नृत्य ध्वन शैत वा य पाद कां ॥ कुं द अथ
नृत्य नृत्य ध्वन शैत वा य धी याद कां ॥ ध्वन दीय नैव य जाय मुनि ॥ कुं
द वि यय वि धम धि ॥ क्वा का ङा ॥ नृत्य धम शैत वा सव वं न्ना द्या या गिनी ठा ॥
नृत्य नृत्य धम धी, पुनि वा नृत्य मल्ल ल ॥ य ॥ अग धा ॥ अन स ह स भा व
लिका म नृत्य धम धि ॥ अग धा ॥ मग वि य ॥ व क न का य, धव जा
थ ॥ सक स, द कि न्ता ॥ वलि वि र्ज, थ अर वा (गम वि धि ॥ थ लि लि ग, य ज मा

नस्याम क नृत्या य र नृत्य मनु य पु वं धम र्थ ॥ विव र्त्त न, वा क्क, य ज मान
स्याम क नृत्य क था पु वं धम र्थ नृत्य ध्वन रु दान क य (अ य या न य ज नि
मि त्य र्थ ॥ अक न य ज या न स्याम क नृत्य क था पु वं धम र्थ, धी नृत्य
ध्वन रु दान क य ज नि मि त्य र्थ ॥ आ धन, द्ध (अ क द्ध सक ल्य लि त्ति सि
या य, ध नि स नान र्व स रु स, रु कर क या य ॥ धव ज न सान, य धम म ग, अ
लि, ध नि व जी स, ल द्ध धा व, ना ठ ध्वन या यान स ग ॥ ध, लि, द्ध ज, स्वा, क लु य
अ, न व, ग्य जा, व लि आ दि, सम स्र था य ॥ गाल, ध धि स रु, आ च न, वा य,

शी॥ हनुकादि॥ चस्त्रि॥ वेदशग॥ वक्रा नी अगिनीत्यादि॥ मूलमा॥
लाकया॥ अद्यान॥ नैज द्रु नया त्मध्वनायनम॥ नैज द्रु द्रु नि
खास्यचन्द्ररोजवायनम॥ धनवलि॥ गगान्त्यहा किर्द्वीय॥ नै
ज अजवक्रा नादवीयायस्यादि॥ धनवलि॥ नैज द्रु नया त्मध्वथ
नम॥ वडा॥ सूरमा अदनवलि॥ चयुयी०॥ वलि॥ गगानवतस॥
नैज द्रु द्रु द्रु द्रु द्रु॥ जां जां द्रु द्रु द्रु॥ वउंग॥ अवगल॥ ववद
॥ वदयप्रहलि॥ मडा॥ वाद्ययडा॥ गगन नै द्रु अस्मायस्यादिन्यास॥

ध्यानकवर्णयद्विहजं वनदारयधनिर्नि॥ भारुयर्जुगगः सर्व
थे साकवः का निनी ॥ कंकालनेद्वी नमः स्यात् ॥ यथाशूलिवलि
जयं गिगमः ॥ वलि ॥ धूपदीपजयस्तोत्र ॥ यः उजाग ॥ धनवसत्स
व, गालधलादि, विमृजागमयनस्वभ ॥ ययद्वुवनस्वस्तिकस, सग
दियानमास्थन ॥ सकल्य, स्वस्ति रुकटुधका, त्रकायका, मिम्व, अय
स कुं दैरुट् ॥ गि, अर्चथा ॥ नवलजालद्वुवनग ॥ कुं दैरुट् सर्ववि
द्युनिवातना, यगुगगनायवर्लि ॥ २ स्यात् ॥ कलखनयि, स्यव

लिसग ॥ धनमृडा ॥ कन ॥ वलियिनगयकथाया ॥ मगरुगात्रा, स
गमननत्वाय ॥ अर्चयालख, अक्षमनहाय, सिंस, गम, गमविय ॥
सुगादि, सकलस, नास, धन, स्वस्तिथायाव, द्वा, काल, आश्वग, नाट ॥ धन
यामननषर्गगयजाया ॥ सुगयाभादधिसजय ॥ कुं दैरुट्, मरुन
स्य ॥ धनयायसका, आनन्द ॥ किंसहिगायनम ॥ ३ ॥ नवमनुयय ॥ मि
साहसासकारुपा ॥ भायिसजयाना, धर्गगयजा ॥ नर्व, सर्व, धान्त्ययाग
कात्रय ॥ नगालधनादि ॥ धनयजर्न, लिनसि ॥ गथद्यथा ॥

गाय॥ त्रिभिर्मन्त्रा॥ खड्गम॥ खड्गम॥ त्रिका॥ खका॥ मंग॥ गम॥ नाटिष्ठवज्र
याम् ननजयकार्ये॥ व्याखभासूयादि, धव२ नासथादस्वाननचक्रके
॥ दवदडिना॥ दवश्चक्रकेगनके॥ थ, गालविदि, गमनयाजास
सखरासं, य, स्वस्तिथीय, गानादिद्या यलविसर्ज्या, कंगदाव, थ
नक्रयाकथनगानदायल, यद्रुमठगय, यदीकस्वस्वमनु नसमय
॥ दडिनाकाय, आचार्यगमन॥ अकदसादीदि॥ दडीना॥ सुरुनय॥ अ
साथिगमल॥ गयराभा॥ पुनिष्ठा॥ खदि कायगुप्यनिसु॥ खि, वद्रुका

यसकल्य॥ सूयादि, व्या दद्रुकाय॥ मूलमनु द्या यलवचक्र॥ चन्द्रनादि
शिथकाणीवादविय, गालकुदि, व्याषनयनि॥ गमधुकाय॥ न्यासासु
नवासिविसर्ज्या॥ समयवियथयनधियमगनि॥ थनसिआखा
वयाव॥ यलुल, यद्रुवासन, कथा३थायाव, सनाय, नाटिष्ठवज्र
धयदीप, अखरुं जागजयगागयादाव॥ थनगालकस्य दवद्रुकाव,
सुन्यभयागागाकायकाव, यव॥ मानक्रयाषनद्रुयके॥ वसिथय॥
दवर्केस्वानक्रकाय, समयविय॥ सूर्यसाडिआय॥ न्यास॥ यजमा

नानीकामक नामनाटकस्य द्वादशसिद्धिसाधनसम्पूर्णविधिद्वारा
 मर्म (न साहि (न धी सूर्यो य ह धा र्द्यन्नमः यद्यन्नमा ॥ द्वादशसिद्धिसाधनका
 य धूनकावगायमास ॥ ॐ मि धी द्वादशसिद्धिविधि ॥ २४४५ कर्त्तुं ॥ स्तन
 कुटिलास, कर्त्तुं काय दर्श, रुक विव दर्श काजलयाग जव ख वग्भयन, गल
 धन, जव खिव द्वाज, कर्त्तुं यायव्यय कर्त्तुं, गुन्यय रिगिन, लिसु सिषाया
 व, खति सप्तान या द्वाद, सुखि वमुन गिय उय वासन या चर्क ॥ वाजानलि,
 नसचान द्वा, धून कर्त्तुं नाटकस्य द्वादशसिद्धिसाधनसम्पूर्णविधिद्वारा य ॥ कर्त्तुं काय दर्श यावस

य. झं। आनस खदिकलडाहायद्यप्यूनलडाहाककनद्वारुल
 स्थान३५ शूल. अकन. सलपि. ध्यवाप्त. क्रमि२॥ काननप्राण्या. द
 सझं। द्वा शूल २० अकन. खदिककि। गुगुलि. धवा. गति॥ तुलयावन
 कण्ठगस्य. यथायचानप्राशा. आननदयक॥ धनधवाव. कन. नविजमा
 नक. पापुथा. दाव. कालनप्राप्तनमा. कन. नप्राप्त. धव. २२. रद. शायन
 कन॥ गुकन। धनलिङ्ग. स्यनीम। प्रियक. श्राव. नवा. दाव. यन॥ नाठ
 धनयज्ञ॥ यथा. मृग. अलिहानादि. धनीवजिनक. शूलवाय॥ लयलडा

हायस. यञ्जनलनासनदवह्म. गङ्गासथन. चन्दनादि. दृष्टिपथस
र्वायवातलसंप्रद ॥ गान. खिवदु. लि. चूनरुय कंवाय ॥ नवनव
लि. (गमउजावाय ॥ कर्न. पागुनयजासा. गु. धिय ॥ ॐ अद्यादि यजमां
नस्यामकनृत्य कर्न. सिद्धि कामनार्थ. नटुध्वन. निव. गकि. रा. हानका
य. कागवलिसहिगय. (अ. पूवात्रयजाकर्तु. वृहद्भानव. अर्घ्यत्रम ॥
अख. ७ म. गुला. कालस्यादि. गु. न. स्कार. न. कृत्वा ॥ आसनयजा ॥ न्यास ॥ अ
ल. पागुयजा ॥ विदवजव. मलस. ॐ दू. नी. दिने. म. हा. शे. नवा. यनम. ॥ खव

स ॥ ॐ दू. महा. काल. शे. नवा. यनम. ॥ म. (अ. स ॥ ॐ दू. अ. धा. न. ग. क. त्या. दि ॥
ॐ दू. व. सा. सना. यनम. ॥ ॐ दू. ॐ दू. ॐ दू. श्री. महा. नृत्य. ध्वन. शे. नवा. य. म. ॥
नृत्य. ल. श्री. सहिगा. यनम. ॥ अ. ॐ (ग. वृ. न. संप्र. अ. आ. दा. रु. ना. दि ॥ अ. ॐ
नि. मू. डा ॥ व. लि. वि. य. ध. य. दी. य ॥ जा. य ॥ ॐ दू. स्वा. हा. ॥ मु. ति ॥ श्री. स. व. र. ॥
थ. न. वि. (अ. ॐ ॥ क. र्न. पा. ग. द. व. डा. स. न. ॐ दू. र. व. न. स. ति. क. स. स. व. न ॥ अ. थ. (अ. ॐ
ध. न. ॥ ॐ दू. ॐ दू. ॐ दू. अ. स्ता. प. रु. द ॥ अ. र्घ्य. या. ॐ दू. र. व. न. हा. य ॥ ॐ दू. ॐ दू. ॐ दू. अ. स्ता.
य. रु. द ॥ गा. उ. न. ॥ ॐ दू. ॐ दू. ॐ दू. जि. खा. ये. वा. ष. द ॥ नि. जी. कु. ल. ॥ (अ. न. म. डा. क.

न॥ अ० गन प्रजापाय० कुं कुं कुं हृदयाय नमः॥ कुं कुं कुं निरस स्वा
र॥ कुं कुं कुं निरवा ये वो वर॥ कुं कुं कुं कवचा यद्वं॥ कुं कुं
को नमः प्रजापाय ये वो वर॥ कुं कुं कुं अस्मा यरु॥ त्रैलोक्य
सह नृप स्व नृप स्व जीयस नो राव गीयाय॥ ॐ ३॥ ॥
गंगा आन॥ ॐ कात्मा ग॥ आन प्रसन्न नमः॥ दव स्कं
न॥ यन न प्रिय पूर्व क आन कत्वा कर्त्तु लया प्रयाः
माउस आन प्रसन्न॥ प्र० लि॥ कुं कुं कुं क॥ क॥ कर्त्तु ल॥

की की॥ यं ३ कुं ३ स्वाहा कुं ३॥ दव स्कं गन॥ यन न प्रिय पूर्व क
कर्त्तु लया प्रया भाद सन॥ ॥ ॐ ॐ न दव स्कं नन॥ यन ४
कर्त्तु लया प्रया भाउ सन॥ ॥ कर्त्तु लकाय द्रन यममनु
न प्र० लि॥ याय के॥ कुं यमाय॥ यन ४ प्र० लि॥ याय के॥
कुं ३ रुका कर्त्तु लनृप नृप स्व जाय सका कर्त्तु लन कि
सहि नाय नमः॥ ३॥ कुं कुं कुं कर्त्तु लमहा रं न वाय ये
नाग्य न कि सहि नाय अवगन २ स्वाहा ३॥ गदवमनु ल

दा रु लं २४ ॥ क ग डा बा य या य धा न १०८ थ य
षा क ग के व ल या प्र द्रं डा य थ कं का य द स था उ वि
स्यं ना ठं व न स्कं चा स्यं न ॥ का य जी य कं ॥ क न ल का य
माल का स थ थ्यं द्रं प्र ति (६१) ध ना दि स्वा न डा य य थ कं
क्र ति २ डा य थ कं द व स्कं थ व २ स य द य कं चा स्यं न ॥ ॥
अ थ का न ल माल क्र लं ख म लु ल त या व अ क त त स्यं
(६२) द व न स्य न ॥ ॥ थ न (६३) ध न ॥ ॐ ५ ॥ अ म्ना य रु द ॥

अ र्ध या प्र लं ख न हा य ॥ ॐ डा द ह दि ॥ नि न सि ॥ सि खा यां ॥
क व च ॥ न प्र था ॥ क न था ॥ ॐ ति (६४) ध ॥ ॥ त ना धा न ॥ य अ
न ॥ द व स्कं न न ॥ य न द व न थ रु लि धा न न का न ल या
प्र या भा उ स न ॥ ॥ अ थ अ रु लि ॥ रु या न क ॥ द व स्कं
न न ॥ य न थ म नु नं अ रु लि या प्र या भा उ स न न ॥ ॐ
न भा रु ॥ य र्व य द व स्कं या प्र या क ॥ ॥ ॐ न भा प्र डा ॥ द
व स्कं या प्र या क ॥ ॥ थ न का न ल या प्र न प्र रु लि या च

कं॥ मलमनुन॥ ॥ ॐ हूं का॥ थ मनुनैयव्याकृतान १०८
जयवयायाव स्वति सथा उवस्यं दयस्कका स्यात् ॥ मयद
यकं॥ थ थ माल कर्कशना॥ ॥ यः गृह्य न॥ माहा मा
या सा ॥ वी कन काय॥ सगु ल्म दिक्काय॥ गाल धनादि
स्वस्वमनुनैयजनै॥ स्वस्ति कवायाव॥ थन च नुन सिद्धन
सगु ल्म ली वी दविय॥ गाल खिवदुलि स्वस्वमनुनैय
य॥ काथा उ सथा उ चिस्मिया दारुल जडत का कायाव

थ मनुन जाययाय॥ नैज द्वाँ ॐ हूं कर्न प्रय नृथ ॥
प्रजा गच्छ २ ३ हूं द्वाँ स्वाहा ॥ ३॥ जगत्तु जगता नाथ
॥ थ गयल या स्वा नव कर्न याग विय॥ थ व २ समदाग
कं वियाव था य य कावेडा न कं नान वायम न प्र॥ ॥
दु क वि यिवय नि स वि य॥ स्वस्वमनुनैय॥ समय विय था
उ चिस्मि दय म क म नि॥ न्या सा भुन व सि वि स र्ज नै॥ यः
मलु समय नै॥ उया सन था क द न कर्न याग दय कं च

कर्ममथियकां, ह्रव २ लं स उ उ लि क थ का व रु य उ उ ल
मालिनी य उ या व व य स मी नाम उ य कां, उ उ ल द य व
लान का आ च कं रु या व ॥ ह्र यां सा स खी न वं थिला त या
री क थ य स लं र व म लु ल (थ ल य द वा स न म लु ल थ य
(थ कं थू च न स व या य च न ना दि ये उ म य थ न न व ल आ
१० लं र व म लु ल स थू य द रु ते लं र व म लु ल थं ला व य
द वा स न थ य गाय उ उ न द का या व (थ कं र ल या

पय नि का न ल या पय नि स न वं स च कं ॥ ॥ थ न स
जा यं ता ठ उ व न य उ नं ॥ क र ल म र्ति न य उ नं थू य दी
य उ य सार्ण ॥ क र ल या प या रि नं थो का व या ल या मा
दि न्मा स कं त्वा (ल ध नं ॥ उं ड ४ क ४ उ म्मा य रु टं ०० या दि ॥
था उ ल गा उ नं वी उ ल (ध न म डा ॥ उं डौ कौ रु द या दि थ
उं ग न य उ न क र ल म ल म नु ल द ४ धा शि न सि ध य थ
७ ॥ ग (थे व रु दि ध य थ ७ ॥ म ल न ज ला उ न न द ४ धा

ताउर्न॥ त (येव छि त सि दण धा क (न ताउर्न॥ त (येव
हृदि मूल मनु ल दण धा ताउर्न॥ ॥ यथा उत उा का व द
वसत कि च्या धा त या का म मुं जय त थ १०८ थ स्या न उा न
कं रु या स्या न व ना य क्का स्यं उा य य कं रु च कं ॥ का त ल
या त या उि (थं ॥ त य त या व ना य क्का स्यं रु च कं ॥ ॥ थ
न ग च क ता ल क स्यं द व द्वा ये क त ल या उ न को ध या का
व रु क वि य क त ल ता ग का य क क त ल भ ला त क खि न

धा य धा य क त ल या उ श्वा स या न ग न म त व ॥ ॥ न्या सा
तु न म लु ल वि स र्ज न आ रु स का य स म य थ य न वि
य कं ॥ थ (थं या ख न यु रिं कं हा ला व म त वि स्यं य जा या
क यथा उ त ज यु या व धा त १०८ ना न मे वा स्य स नो म थि
स्य व या व क त ल या उ द्वा रु च कं माल ॥ का त ल या उ द्वा
उा या म नु नं ज यु या व रु च कं रु क वि य उ (थ द ॥ द व
द कि ला ॥ गु र द कि ला य धा ग कि थं ॥ ॥ न्ति क त ल सि

द्विविधं ॥ ॥ अथ न्ययकात्र ॥ अरवालयलिम (गमस्य)
याखनस्य नं थ या कत्र लयाविधि ॥ ॥ बंधवानं थ
कल, नानिचवानं थ इल ॥ थ कद्र कत्र लवातु तालध
न, गमयन रुकविषय, याखनमाथ रुत्र ख या अन
कमन, आचार्य थ तस्य न नाट ॥ थ न सक, मत य जा उम
॥ ॥ सनिकद्रुदस्य ति वा जं थ इत्र, आदित्य वालं थ
इत्र, थ तं सखलिसान ॥ ॥ ओ न कर्म व सत रु ल उयवास

यायमाल, वल इत्र दा व, मूल नाट ॥ थ न सक, अद्रुता
पीस, यं थ या चान य जा व न, द्रु १ थ न स, निखत उयल
न दय के माल, माल कवि वि (थ य जा या य, शी य खान द्वा
रुल १०८ अडग, सलिभल स, थ यु क य या का ग, मिजन
या इल सा, दव या जव स ग थ ॥ मिसा क, कत्र ल या त्र इत्र
सा, दव या वला स ग थ ॥ थ व मु ज य या य न द्वा, कत्र ल म
कुन, जय न थ १०८ थ न लि, थ य दी य जा य मु नि ॥ य ८३ ग

र्य न धन धन काव क न ल या तु द व या व ल स थ याने
भन र य क प्रि ना च न न भा सि ये क ॥ सु नाने म थिय
कै त य ॥ द व या रु ल स सु नाने भा म तु य कै त ॥ धन र य
या तु न हा य ॥ प्रि त ल न ॥ (अ ध न ध न ना रु त स चै त न
स लि क थो य ॥ य उं ग न य जा या य क न ल या न्या स ॥
धन य जा माल क धन का व स लि मि ला स त या व रु ड

य ल या क लि न क न ल या तु या भा ल स ज य ल थ गु स
स रु द य सु ड य न थ धन धन का ड या च न या ल
नू क म न वे ना ग य र व क न ना व म ना व थ क न ल म नु क
ने धन धन का व वि रु म थ य कै सु नाने म थिय कै भा
म तु य कै ध य थ व व क न ल वि य थ य स य ने ज्ञा चार्य
न सा ध ल य त या गु ल जा का था थाने मालिनी य उ या व
ल स व न रि कि रि की ल क क न ल व ल सा ज व र व व न क

मन आकयन आखाउस मनुल ३स मझाता (ध) झा
स्यतका घ आ धनका व धेय दीय जाय मुति १ ता
लखिव व दल स्वस्तिक कथा या व झाय धन यन ४
करूल यापु करूल मनुमतय लथे मिल सि
आ धा न स हृदय स धन माल क भूला लाव व्या
धन दूय के द डि लानेय स्नान क काय व लि वि स

ऊन दू विषय के कथा आ या व य न व या उ व स ख ग या
ख व स द ध या द ध स मल नाट ४ व न स न समय विषय
द डि लाने स्नान काय व लि वि स ऊन ॥ धन करूल वि
धि ॥ ॥ धन विधि न करूल मव य मरु थ दू दू दू
वल द्रि लि वाच के करूल लो क दू य के माले ॥ ॥ २ आ
धाल न के त्या दि ॥ यंच थ ग वृषा न त्या ॥ ॥ २ ऊं दू न क

वक्रं पि भयं नागकुलमलितं जयशठचन्द्रचुडं
स्थितवर्त्मसु (४५) शितं ॥ हा जालं कालरुषां नाग
ही यवीतिनं वाद्यचर्मयत्रीधनं सिद्धवर्माहजीय
कं ॥ गुजारि ४५ (४५) कं ना ४५ वं यत्र भ ४५ वं ॥ उड्ड
वाक्य उमत्र ॥ प्रिदली कर्तिक ॥ गथा वामं स्वर्दीर्गं ॥ ना
गधनं कयाल ॥ सहस्रसूर्य कलारिनि ॥ वृषाप्रदन्त
र्यगीत ॥ वाद्यमानं नन्दिकं ॥ महाकालं वामकं ॥

गन्धर्व ४ किन्नर गले ईवास्त्रमभात्रभे ४ गायमानं
मदायकं वाद्यमानं लयाङ्ककं ॥ अनन्द गकिर्मकम
यत्रा गलभं वितं ॥ शेषवीनृत्त्यत्रय ४ सर्वलं कात्र
स्थितं ॥ नृत्यमानं महादर्वं सर्वदवगलेवृत्तं ॥ नृ
र्वधं त्वा नाटका ॥ मानवा सर्वदनि ॥ ॐ ति ध्यान ॥ यार्थ
दि ॥ ॥ उमन्दि ॥ न्यास ॥ त्रोटदयादि ॥ आध्यात्र ४ कं
स्थगयद्यासनायनमं ॥ ॥ ॥ युवाग्र आगटाधनी

चक्रकाय चतुर्भुज ४४ लं प्रिदलु ॐ धना वालमाभा
मदङ्गकं ॥ नृदं नृथा महात्माभा नंदी नृवा लक
॥ ॥ अ ॐ लि ॥ व उं ग ॥ व लि ॥ जं कं मद्रा ॥ ॥ मूलवा
म महाकाल ॥ न्या ॥ मी हृदया ॥ आ धात्र ॥ ॥ युता स
नाय नमः ॥ ॐ ॥ चतुर्वा द्रु वि भाला य ४ यी ना द्रु ४ च म
हाद न ४ ॥ कच द न धि म के ४ ४ च मूलु माली प्रि ला च
न ४ ॥ ४८ लि कं श्वेत कं धेव मदङ्ग वा द ना त्स क ४ ॥ कष

गता महाकाशो नृ ४ ४ द्रा नृवा म ग ४ ॥ अ
ॐ लि ॥ व उं ग ॥ व लि ॥ प्रि मूल मद्रा ॥ ॥ दवे ॥ ४ ॥ अ प्रया
स ॥ न्या ॐ ॥ आ धात्र ॥ अ ॐ लि ॥ व उं ग ॥ व ली ॥ द लु म
द्रा ॥ नंदी भद्रा वि (ल वद्रक ॥ न्या ॥ वी हृदया ॥ आ धा मय
न स ना य या यू ॥ अ ॐ ॥ व उं ग ॥ व लि ॥ गज नि मद्रा ॥ महा
काल स्य वा भ ॥ गलयति ॥ न्या ॥ गं हृदया दि ॥ आ धात्र ॥ म
या स ना य या यू ॥ अ ॐ लि ॥ व उं ग ॥ व लि ॥ गज मद्रा ॥ ॥ दवस्य

ALMA ARBUCKLE
1871-1872

2543

ALMA ARBUCKLE

WELL ADORNED
15th CENTURY
2543
ASAP FORMS

मूलसिद्धिविधिनसमायं ॥ १५ ॥ धनं लिङ्गकलपूजा
विय ॥ दं सक् ॥ १॥ धद्रुक्द्रु प्याखन खठठा यस्स
स्त्रिक शोमाव स्त्रुजास्य यस्त्र्याव स्त्रिकसत प्रप्याव
नभा गमचन वाजन यतजा यक यतजालूय नर्मच
नादि दीय लाहन नजा सग्वनाम थी आणा र्द्धद
सग्वन विय सक्द्रु आजथा युतिष्ठा ॥ दवज्ञान
काय सन्धमहालक प्यावन द्रुय केइना ॥ ॥ अथ द

शकज्ञाय विधि ॥ पि दका गुरु लिन गुरु खग प्याख
न द्रुय कान लि द शज्ञाय यात न स्त्रायजा
नाठ ग्वज कथन ग याव ॥ ना सन पजावन
ज्ञाना दिव न्देन सिंदुज के व न वाय मान कुं वा
याव ॥ ॥ ॐ अ द्यादि ॥ वा क ॥ यज्ञमान स्याम
क नृय (ॐ) सा ग्य कानार्थ नृय ग्वन हिव
श कि रदान कयुजा निमित्त्यर्थ श्री सूर्याय

ॐ नमः ॥ शुभं नमस्काय ॥ सा का या ऊ न द वा च्च या
य ॥ द त सा य ॐ नमः ॥ ॥ सकल स न द व डा
य य के द डी नमः का य ॥ समय सकल स वि या व था उ थ
स्य रु त आ खा उ स ल र व स लु ला दि (थ ल ॥ य डा या यः
द डा आ थ आ क स का य समय थ य न थि य के ॥ व
ल द्रि य्या र व द्र य के ॥ थ न द डा क द्वा य वि धि ॥ ॥
थ (थ वि डा क द्वा य ॥ मा ल सा ति डा के द्वा य ॥ ॥ अ

थ य्या र व न ध न क वि धि ॥ ना ट ड्य न स्क म त क्का य के
य्या र व न द्र य के ॥ ॥ र व त स द व द्वा य या त सक स न
क ग्व उ जान के य र उ या न स्का उ च्च य य द पा व द डा
द्वा य के त न र व त डा थ ॥ ॥ ध व र लि ना ट ड्य
न स्क ड्य व द्वा य के त न व डा थ ॥ आ या न डा या
व द व द्वा स्य के त न व डा थ ॥ अ थ ना ट ड्य न
स्क लि त य डा या य वि धि ॥ ॥ आ दि र वान व रु

स्य मि वार्त थ इ न यडा दिन क द्रु ॥ ॥ आखाउ
स श उवात चा व लियो १ न व ल इ १० श उवात वलि

काम्य क काय ॥ ॥ अ क र्व र आदिन ल द न सि
इ न यडा याय ॥ ॐ अ द्या दि ॥ वा क ॥ यडा मान स्या
म क न स्य स य लू न स्य म लु य व स र्ज न न स्य ध्वन

द वा र्व न निमि स्य र्थ सा (म घा) ग द वा र्व न य उ ग
र्य ल अ नित्य ॥ ॥ द व काय य के ॥ वा क न स म य द्वा
य ॥ ॥ थ न य व स ग न अ क र्व र व र्व र्व यि त्वा त ल्ल र्ण
स ग द्र न स्य ध्वन स ल मे नु य थ ल कि पु ड य ज व
य द्या क र्ण ग र्व व ल्या नि धे य थ ७ ॥ न्या सा र्क ल
व लि यी स र्ज न ॥ न स्य म लु य र नि स न क ॥ पि ता च म्य
स्य सा कि ॥ अ क स वि य का य व स र्वी य स्या न ज ड

म. ल. य. ल. डा. हा. य. ल. प. श. ज. ल. न. की. न. का. य. ज. श. ३
दिन सकल लंगा का या व. व. लि. स. न. स. र. रु. न. थ. व. लि.
ना. ठ. ६. व. न. श. क. न. य. डा. य. ॥ लि. धा. न. स. श. र. वा. उ. या. चा.
वा. य. क. श. र. वा. उ. थ. य. क. सि. सा. हा. न. द. क. उ. य. या.
न. वि. य. मा. ल. ॥ ॥ थ. न. न. थ. म. ल. य. वि. स. र्ज. न. वि.
षि. ॥ ॥ थ. न. लि. स. म. दा. य. कि. य. क. वा. हा. न. स. दि. न.
न. द. य. क. ना. ठ. ६. व. न. श. क. य. डा. हा. न. ॥ ॥ थ. न. ना. ठ. ६. व.

न. य. डा. या. य. ॥ स्ना. ना. दि. ॥ य. चा. म. न. ज. लि. स्ना. न. च. द.
न. सि. न्द. ल. क. व. ल. वा. य. द. वि. न. न. म. ज. द. वा. न. य.
व. य. क. मा. ठ. चा. य. ॥ य. द. वा. स. न. वा. य. ना. य. हा. न. व.
लि. उ. डा. व. ना. दि. श. डा. न. व. लि. वा. या. व. ॥ ॥ स. र्ज. न.
॥ स. र्ज. न. य. य. रा. ज. न. द. ६. ७. ॥ ज. द. वा. दि. ॥ य. डा. मा.
न. स्या. म. क. न. थ. स. य. न. नि. मि. थ. र्थ. ग्रा. म. कु. न. थ. ६. व.
न. नि. व. डा. कि. र. द. न. क. ज. म. क. व. लि. स. दि. न. य. था. स. म.

व्युद्धानं सकर्तुं वाक् ॥ सा (गम) याङ्ग दवाचन ॥ ॥ य
थ कर्म सधन ॥ व्याघन लिगय नासत्रस्क विष्
नथी ॥ सकत्रस्य न गमय वाजन यनिस्य थय रगात्
वदलि, खि, गमक भादनी कन, मानक, व्यय, ससदि
गन, दडि ल दयक, डी नकाव, कुमासु मिवाक् ॥ ॥
ॐ त्वन्य सादन नृस्यं ॥ नृस्यसंयुता रुक् ॥ नृनागिनि
कथा यय तत्सर्वं कर्म तांयुता ॥ मङ्गलं कत्रसर्वं वा

मस्माकनु वि (६) वग ॥ यथ कश्च रु लं ददि, नम
मुख्यं नमानम ॥ ॥ भादुनि कत्र ली आदिन, स
कलता, लिग, ॥ ॥ ॥ ॐ ति नृस्यं व्यनयुता ॥ ॥
नन्दि ॥ मे हा ॥ ॐ य ॥ वद ॥ गल ॥ रुन् ॥ ॥ गालयति
युता ॥ ॥ अद्यादि ॥ गम ॥ द्याव ॥ यचत्रंग ॥ धन
वलि ॥ सकलस्यं जलि, नकग दावद डि ल द्याय, द
डाआये ॥ ॥ धनं लि य ॥ तु त र्य ल स मय, निष्ठा वा

दिनकाय ॥ गुरु प्रजा दक्षि ॥ प्रसादवस्तु दिवि
य ॥ रासासकूलि गाल वदलि विं वायल लिका
यशक दक्षि ॥ गाय वलिका यच ननादि अरिष
का ॥ वा दवि य ॥ समय विय ॥ न्यासाभु न वलि
विसर्जन ॥ प्रिताय मन सूर्य साक्षि ॥ ॥ वय याव
लावा ॥ यथा संरुव समय शश कन ॥ दि मो
लकस्त कथन विय ॥ ॥ ॐ नित्य सम्य लुना ॥ ॥

प्रजाविधि ॥ ॥ यजान यद्वलीव चतुर्थ कर्म वि
यात्र यजाव न ॥ वि धान धर्मा ना ॥ ॥ यजान य ॥ गुरु
य ॥ दि ॥ समय काय ॥ मस या ठ जा दिन गाय व
याम लुय स ॥ आ व स काय ॥ ॥ ॥ गुरु रू या ॥ ॥ स्नान
क काया व स क ल स विय क ॥ समय विया व स क ल
सन समय काया व ॥ न्यासाभु न वलि विसर्जन ॥ स
र्य साक्षि ॥ य ॥ म लु का का या व समय शश याव

काव ॥ पूजा रं दिन क्, दू व न स्य, प्या ख न दू य का व
 क्लि हा व य ॥ ॥ आ र्या उ स, लं ख म लु ल (थ ला
 व, सं अ य नू य्जा या य ॥ ॥ आ न न्द हा कि य नि व दि
 ग मं पु ग क्, ग ल्या नू य म शि ला र्थ वि वा ध रु डी अ
 द्वा ग सा ध न क र्त्त य न भ ग मूर्ति, ना ट ध्व र्त्त स क ल
 सि धि क न न्न मा मि ॥ ॥ न न्दि म हा का ल या ॥ न न्दि हा
 द्वा न या लं ज ल धि क ल ध र्त्त जा य्द रु र्त्त पि द लं रु र्त्ता

स्यान्मृदुङ्गं दलितगमतिमजास्त्वं च न कं पि भर्तुं ॥ क
 र्त्तुं मृदुङ्गं महाका लमिति जमत्रकं यकं खट्वां गुरुकं
 रुक्ता स्याम्या मृदुङ्गं दलितगमिति नयनी म्महं युगसं
 स्मृ ॥ रुद्रकयिक क्रायवी ताय सगु वन्धयवन्धि म्।
 लं कामथन शा लाय रुद्र उदा यत नम ॥ ॥ ॥ ॥
 मत्र गिति ज्ञान नम सके त्र (लभ त स्यां युवी त ४ स्म लं
 वी रुक्ता सि रि त्र स्फु ली च रा य क न्मृ था मु त मु ङ्ग

या ४ भोडा उ विमर्दने रु सिता कृद् न ४ य
५॥ न विजेति सर्व न सात्मक ४ य ५ यति ४
रु या त्म दा रूत य ॥ १ भा द नी य अ न न
या व यात ३२ ५ य क वलि वि य ॥ ५० ति द्वा ति
५॥ आ गि नी वलि ॥ ॥ अ थ भा द नी समा ल का न
५॥ ५ व न य ५ ॥ ॥ वलि वि य ५ गु लिवलि स ॥ ५०
मा र्द व ५ उ मा द वी यि र्द व ५ ४ स दा लि व ५ ॥ र्द व

उ म म रु क्त न य व्या उ ग स वा दि ला ॥ र्द व ५ उ र्द
न व ५ ४ सर्व स ग ल न्द स स जा वि या ५ ॥ आ गि न ५ ४
उ उ पा ला ५ ५ व क थ य व लि ति ॥ अ य ग न्द
दि ॥ य उ मा न स्या म क न्द स सि वि स क ल ला क स
भा द ना थ भा द नी सा ध न ति य न स न्द नी द व ५
न न स र्द वि वि य नि य ल्द म म् ॥ ॥ ॥ अ द्वा दि ॥
य उ मा न स्या म क न्द स सि वि का म ना थ ५ न्द स

ध्वज निवहाकि र दान काय सुय निवा जाय सवा रु
नाय ॐ मं चामय ह्यु व द्धि देवगं वलि डस्य मरु
संयुदद ॥ ॥ १ यमु संव संयु लु ऊ म्य ता यि ग लो न
नान् ॥ थ ना मा ल सा दि स















